700 बड़े पेड़ों को कटने से बचा लिया ओडिशा सरकार ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के सालाना बजट के लिए आंशिक रूप से पेपरलेस प्रक्रिया अपनाकर। प्रदेश के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने बजट सत्र के भाषण में कहा कि डिजिटल प्रक्रिया अपनाने से 57 लाख पेजों को प्रिंट नहीं किया गया।

शाह बोले, अराजक तत्वों से निपटने में संयम बरते दिल्ली पुलिस

सलाह और सराहना ▶ कहा, विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुलिसबलों में शामिल है दिल्ली पुलिस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को 73वें पुलिस स्थापना दिवस पर दिल्ली पुलिस की जमकर सराहना की, लेकिन साथ ही सलाह भी दी कि अराजक तत्वों से निपटने में संयम बरते। शाह ने कहा कि जब आप पीछे देखते हैं तो पता लगता है कि दिल्ली पुलिस न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में सबसे अच्छे पुलिस बलों में से एक है। गर्व महसूस करना चाहिए कि इसकी नींव लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रखी थी।

नई पुलिस लाइन किंग्सवे कैंप ग्राउंड में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शाह ने 42 पुलिसकर्मियों को शौर्य पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और मेधावी सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया और दंगा निरोधी दस्ते, महिला पुलिस समेत विभिन्न टुकड़ियों के साथ परेड का निरीक्षण किया। परेड में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस की टुकड़ियों ने भी मार्च पास्ट किया। केंद्रीय गृह मंत्री पुलिस मेमोरियल भी पहुंचे और शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने महिला सुरक्षा को और बेहतर

गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली के किंग्सवे कैंप में दिल्ली पुलिस की 73वीं स्थापना दिवस परेड के मौके पर गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। प्रेट्र

करने के लिए 9300 और सीसीटीवी कैमरों 1600 अतिरिक्त बाइक सहित 4500 नए वाहन उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत 857 करोड़ देने की घोषणा की और कर्मचारियों को बेहतर आवास और कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए रोहिणी और नरेला में 700 और फ्लैट को मंजूरी दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने पीएफडब्ल्यूएस के प्रयासों को प्रदर्शित करते हुए प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

पुलिस किसी की दुश्मन नहीं : शाह ने कहा कि पुलिस किसी की दुश्मन नहीं है, बल्कि शांति और व्यवस्था की दोस्त है। इसलिए सदैव उसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को दोहराते हुए कहा कि ध्यान रखें कि पुलिस हमारी सुरक्षा के लिए है। केवल उसकी आलोचना करना या उपद्रवियों का उसे निशाना बनाना ठीक नहीं है। हमें उनके काम को समझना चाहिए।

चुनौतियों से भरा था पिछला साल : **अमूल्य पटनायक** : पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने कहा कि बीता हुआ वर्ष सबसे कठिन और चुनौतियों से भरा था, लेकिन समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ, पुलिस बल ने हर चुनौती का सामना बेहतर तरीके से किया। दिल्ली में जघन्य अपराधों को कम करने के लिए प्रत्येक पुलिसकर्मी ने कड़ी मेहनत की। दिल्ली पुलिस प्रधानमंत्री के स्मार्ट पुलिसिंग के दृष्टिकोण के साथ तकनीकी रूप से भी दक्ष हो रही है। मिशन ओलंपिक-2020 के तहत पुलिस परिवारों के लिए कई कल्याणकारी उपाय शुरू करने और पुलिस वार्डों के संभावित खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए पुलिस फैमिली वेलफेयर सोसायटी (पीएफडब्ल्यूएस) की सराहना की।

जिन्हें हिंदुस्तान नहीं चाहिए, वही कर रहे सीएए का विरोध : देवकीनंदन

राजीव कुमार झा, कोलकाता : देश के जाने-माने कथावाचक व अखंड भारत मिशन के अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर महाराज का कहना है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध वही लोग कर रहे हैं जिन्हें कुर्सी चाहिए और हिंदुस्तान नहीं चाहिए। उन्होंने सीएए को देश के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि चाहे इसके लिए हमें कोई भी कुर्बानी क्यों ना देनी पड़े, मैं सीएए पर मोदी सरकार के साथ खड़ा हूं। कोलकाता में भागवत कथा के सिलसिले में आए महाराज ने दैनिक जागरण के साथ विशेष बातचीत में दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ करीब 65 दिनों से जारी धरने पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह भारत ही है जहां ऐसा करने की उन्हें आजादी है। बकौल देवकीनंदन, 'पाकिस्तान या बांग्लादेश में क्या कोई हिंदू 65 दिनों तक आंदोलन चला सकता है? सबसे अच्छी व बड़ी बात है कि ये हिंदुस्तान है जहां आप इतने दिनों से धरने पर बैठे हैं और कोई आपको परेशान नहीं कर रहा है। आप हिंदुस्तान में हैं जहां कुछ भी कर सकते हैं और बोल सकते हैं।'

उन्होंने कांग्रेस पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस कानून की वकालत तो पहले उन्होंने ही की थी। असम में जब वह सरकार में थी तब कांग्रेस ने ही इस तरह के कानून बनाए। अब जब भाजपा ने इस पर अमल कर कानून बनाया तो कांग्रेस इसे मानने की बजाय खिलाफत कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे वजह साफ है और कोई भी कह सकता है कि वह सिर्फ कुर्सी के लिए विरोध कर रही है।

थक सा गया शाहीन बाग अब सम्मान की चिंता

सीएए, एनआरसी और एनपीआर के खिलाफ प्रदर्शनकारियों द्वारा दिल्ली के शाहीन बाग से गृह मंत्री अमित शाह के आवास की ओर मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों से उलझती बुजुर्ग महिलाएं। एएनआइ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) व एनआरसी के विरोध में शाहीन बाग में दो महीने से चल रहा धरना अब थक सा गया है। पिछले कुछ दिनों से धरने पर बैठे लोगों की संख्या तेजी से घटती जा रही है। लिहाजा लोग बस कोई सम्मानजनक अंत चाहते हैं। कई दिनों से दावा किया जा रहा था कि रविवार को शाहीन बाग से करीब 5000 लोग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने जाएंगे, लेकिन मुश्किल से 300-400 लोग ही इकट्ठा हो पाए थे।

दरअसल, इस धरने से लोगों का बहुत नुकसान हुआ है। काम धंधा चौपट हो गया है। धरना स्थल के आसपास 100 से ज्यादा बड़े-बड़े ब्रांडों के शोरूम हैं। दो माह से अधिक समय से यह शोरूम बंद पड़े हैं। कालिंदी कुंज से जामिया नगर थाने जाने वाला मार्ग बंद होने से सैकड़ों दुकानें भी बंदी की कगार पर हैं। दो महीने से रास्ता बंद होने के कारण शाहीन बाग के लोगों को भी नोएडा, फरीदाबाद व दिल्ली के विभिन्न इलाकों में आने जाने में परेशानी हो रही है। हालत यह है कि तमाम भावुक अपीलों, लाउडस्पीकर पूरे शाहीन बाग, जामिया नगर और जाकिर नगर आदि इलाकों में प्रचार के बावजूद बमुश्किल दो तीन सौ लोग ही जुड़ते हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामने चल रहे धरने से भी लोग गायब होते जा रहे हैं। 10 फरवरी को जामिया मिल्लिया इस्लामिया और शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों ने संसद तक के लिए मार्च निकाला था, लेकिन मार्च में फूट पड़ गई और ज्यादातर लोग मार्च से वापस चले गए थे।

विधानसभा चुनाव से पूर्व पर्दे के पीछे से मदद करने वाले नेताओं ने भी अब मुंह मोड़ लिया है। लगातार धरना दे रहे लोग चाहते हैं कि किसी तरह सम्मान बना रहे। यही कारण है कि अभी तक बगैर परमिशन किसी भी प्रदर्शनकारी को आगे नहीं जाने दिया जाएगा। यह बात स्पष्ट रूप से बता दी गई।

– राजेंद्र प्रसाद मीणा, डीसीपी दक्षिणी पूर्वी

प्रधानमंत्री को धरना स्थल पर बुलाने की जिद पकड़कर बैठे लोग गृह मंत्री से मिलने के लिए खुद निकल पड़े। हालांकि पुलिस ने उन्हें जाने नहीं दिया। दरअसल, धरने पर बैठे लोग चाहते हैं कि उन्हें ऊपर से कोई आश्वासन मिल जाए तो वे धरना समाप्त कर दें। इससे उनकी भी नाक बच जाए, और ये धरना भी समाप्त हो जाए।

शाह से मिलने की अनुमति न मिलने के चलते टालना पड़ा पैदल मार्च : शाहीन बाग से पैदल मार्च निकालकर गृह मंत्री अमित शाह से मिलने जाने वाले प्रदर्शनकारियों को पुलिस से अनुमति न मिलने के कारण पैदल मार्च टालना पड़ा। दोपहर करीब तीन बजे चार बुजुर्ग दादी, धरने में शामिल कुछ बुजुर्ग व अधिवक्ता पुलिस अफसरों के पास बातचीत करने पहुंचे। पुलिस ने अनुमति के लिए उनका प्रार्थना पत्र मुख्यालय भेजने की बात उन्हें बताई। इसके बाद वे वापस लौट गए।

इन लोगों का दोपहर दो बजे पैदल मार्च निकालते शाह से मिलने का कार्यक्रम प्रस्तावित किया था। शनिवार रात करीब तीन बजे शाहीन बाग थाने में प्रदर्शनकारियों ने पत्र देकर पांच हजार प्रदर्शनकारियों के पैदल मार्च निकालते हुए गृहमंत्री से मिलने की अनुमति मांगी थी। रविवार दोपहर दो बजे काफी संख्या में प्रदर्शनकारी मौके पर एकत्र हो गए थे। करीब ढाई बजे प्रदर्शन में शामिल कुछ बुजुर्ग पुलिस अफसरों से बातचीत को आगे आए, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि बगैर अनुमति आगे नहीं जाने देंगे। अफसरों ने उन्हें बताया कि उनके प्रार्थना पत्र को पुलिस मुख्यालय भेज दिया गया है। वहां से अनुमति मिलने के बाद ही उन्हें आगे जाने दिया जाएगा।

शिक्षित और संपन्न परिवारों में तलाक के मामले ज्यादा : मोहन भागवत

अहमदाबाद, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि आजकल शिक्षित और संपन्न परिवारों में तलाक के मामले ज्यादा हो रहे हैं। ऐसा घमंड के कारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास हिंदू समाज के अलावा कोई विकल्प नहीं है और हिंदू समाज के पास परिवार जैसे व्यवहार के इतर कोई विकल्प नहीं है।

परिवार के साथ एक कार्यक्रम में शामिल होने आए आरएसएस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सरसंघचालक भागवत ने कहा, 'मौजूदा दौर में तलाक के मामलों में वृद्धि हुई है। लोग छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे हैं। तलाक के मामले शिक्षित और संपन्न परिवारों में ज्यादा हो रहे हैं, क्योंकि शिक्षा और संपन्नता उनमें घमंड पैदा कर रही है। समाज में भी बिखराव हो रहा है, क्योंकि वह भी एक परिवार है।'

आरएसएस की तरफ से जारी बयान के अनुसार भागवत ने कहा, 'हम चाहते

▶ **गुजरात पहुंचे संघ प्रमुख ने कहा, भारत के पास हिंदू समाज के अलावा विकल्प नहीं**

▶ **समाज के मौजूदा हालात महिलाओं को घर तक सीमित रखने के परिणाम, संघ के कार्यों को परिवार को बताएं**

मोहन भागवत फाइल

हैं कि संघ के क्रियाकलापों के बारे में स्वयंसेवक अपने परिवार के सदस्यों को बताएं। परिवार की महिला सदस्यों को कई बार हमसे ज्यादा पीड़ादायक काम करने पड़ते है, ताकि हम जो करते हैं उसे जारी रख सकें।' संघ प्रमुख ने कहा, 'समाज की मौजूदा हालत पिछले 2,000 वर्षों से चले आ रहे गलत अभ्यास का नतीजा है। हमने महिलाओं को घरों तक सीमित कर दिया है। 2,000 वर्षों से पहले ऐसा नहीं था।' उन्होंने कहा, 'हिंदू समाज को धार्मिक और संगठित होना चाहिए। जब हम समाज की बात करते हैं तो वह लोगों का समूह नहीं होता।'

भागवत ने कहा, 'मैं हिंदू हूं। मैं सभी धार्मिक स्थलों का सम्मान करता हूं, लेकिन जब हमारे श्रद्धा स्थलों की बात आती है तो मैं दृढ़ हो जाता हूं। मुझे संस्कार मेरे परिवार से मिले हैं और मातृशक्ति ही है जिसने मुझे यह सिखाया है।' उन्होंने कहा, 'घर और गृहणी के बिना समाज नहीं हो सकता। महिलाएं तो खुद आधा समाज हैं। महिलाओं को और शिक्षित किए जाने की जरूरत है, लेकिन हम इसकी चिंता नहीं करते। ऐसा ही रहा तो एक दिन न हम बचेंगे न ही हमारा परिवार।'

'देश विभाजन की गलती को सुधारने का कदम है सीएए'

जागरण संवाददाता, मेरठ

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हमारी टक्कर अब कट्टरवाद से है। देश के विभाजन के समय हमारे पूर्वजों ने गलती की थी। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) में इसे दुरुस्त करने की कोशिश की गई है। कहा कि शाहीन बाग में देश तोड़ने की मुहिम चलाई जा रही है, लेकिन महाराणा प्रताप और गुरु गोविंद सिंह के अनुयायी नए जमाने के भारतवंशीय ऐसा कदापि नहीं होने देंगे। वह मेरठ में रविवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित धर्म संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान को यह कानून गलत लगता है तो वह अपने यहां सीएए पारित कर ले और भारत के अल्पसंख्यकों पर अगर ज्यादतियां हो रही हैं तो उन्हें अपने यहां शरण दे। जामिया और शाहीन बाग में देश विरोधी गतिविधियों को नजरअंदाज कर

▶ **केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बोले कट्टरवाद से है हमारी टक्कर**

गिरिराज सिंह फाइल

दिल्ली की जनता मुफ्त बिजली पानी पाने को लेकर भी उन्होंने तंज किए।

कुछ लोग देश तोड़ना चाहते हैं : केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग देश तोड़ना चाहते हैं, लेकिन यह मंसूबा कामयाब नहीं होने वाला। तंज कसा कि राहुल को तो बछिया और बछड़े में ही अंतर नहीं पता होगा। कहा कि 2021 में पशु घूमते नहीं मिलेंगे।

दो माह बाद जामिया हिंसा के दो वीडियो वायरल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जामिया समन्वय समिति ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर दो वीडियो वायरल किए हैं। इनमें दिख रहा है कि दिल्ली पुलिस और पैरा मिलिट्री के जवान जामिया विश्वविद्यालय के अंदर लाइब्रेरी में घुसकर छात्रों की डंडे से पिटाई कर रहे हैं। दो माह बाद वीडियो वायरल करने से सवाल उठ रहे हैं कि यह शाहीन बाग मामले को फिर तूल देने की कोशिश तो नहीं है।

क्राइम ब्रांच के विशेष आयुक्त प्रवीर रंजन का कहना है कि एसआइटी की जांच दायरे में अगर ये वीडियो नहीं हैं तो इन्हें भी शामिल कर लिया जाएगा। शनिवार रात 9 बजे समिति ने ट्विटर पर पहले 59 सेकेंड का एक वीडियो अपलोड किया, फिर रविवार सुबह 38 सेकेंड का दूसरा वीडियो डाला।

दोनों वीडियो 15 दिसंबर की शाम छह बजे की है। उस दिन सीएए के विरोध में जामिया के छात्रों के साथ हजारों लोगों ने शाहीन बाग, जामिया, बटला हाउस, अबुल फजल एंक्लेव आदि इलाकों में उपद्रव किया था। डीटीसी की तीन बसों में आग लगा दी थी। पुलिसकर्मियों को

▶ **विश्वविद्यालय प्रशासन ने पुलिस को फुटेज देने से कर दिया था इन्कार**

▶ **वीडियो में लाइब्रेरी में छात्रों की पिटाई करते दिख रहे हैं जवान**

यह वीडियो जामिया समन्वय समिति ने शनिवार रात ट्विटर पर वायरल किया। वीडियो में पुलिस कर्मी व पैरा मिलिट्री के जवान जामिया विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी में बैठे छात्रों की पिटाई करते दिख रहे हैं।

निशाना बनाया था। पुलिस ने जब उनको खदेड़ कर जामिया की तरफ भगा दिया तो वे तब उपद्रवी विश्वविद्यालय के अंदर घुस गए थे और अंदर से भी पथराव शुरू कर दिया था। इसके बाद पुलिसकर्मियों व पैरा मिलिट्री के जवानों को विश्वविद्यालय में घुसना पड़ा था, ताकि उन्हें भगाया जा सके।

क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि उपद्रवी लाइब्रेरी के अंदर घुस गए थे। वहां उन्होंने बेंचों पर बैठकर किताबें खोल पढ़ने का ढोंग किया था। वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि सभी के चेहरे ढंके हैं। उस दिन रविवार भी था। इस दिन लाइब्रेरी नहीं खुलती है।

पुलिस पर लगाए थे आरोप : घटना के बाद छात्र-छात्राओं के साथ जामिया प्रशासन ने भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि पुलिसकर्मियों ने लाइब्रेरी में घुसकर छात्र-छात्राओं की बुरी तरह पिटाई की है।

क्राइम ब्रांच ने 19 दिसंबर को लाइब्रेरी के फुटेज सौंपने का अनुरोध किया था, लेकिन जामिया प्रशासन ने इंकार कर दिया था। अब दो महीने बाद समित ने एक-दो वीडियो को एडिट कर केवल उसी हिस्से को वायरल किया जिसमें जवान छात्रों की पिटाई कर रहे हैं। क्राइम ब्रांच का कहना है कि वे छात्र नहीं उपद्रवी हैं।

विश्वविद्यालय ने पल्ला झाड़ा : इस संबंध में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मीडिया समन्वयक अहमद अजीम का कहना है कि डॉ. जाकिर हुसैन लाइब्रेरी में पुलिस की बर्बरता के संबंध में कुछ वीडियो वायरल किए गए हैं। विश्वविद्यालय ने इन्हें जारी नहीं किए हैं। जहां तक जामिया समन्वय समिति का सवाल है तो यह छात्रों की संयुक्त समन्वय समिति है। यह विश्वविद्यालय का आधिकारिक निकाय नहीं है। उन्होंने कहा कि आंदोलन करने वाले सोशल मीडिया पर जामिया मिल्लिया के नाम का उपयोग कर रहे हैं, जिससे भ्रम पैदा हो रहा है।

नए वीडियो सामने आने से गरमाई सियासत

नई दिल्ली, प्रेट्र : जामिया मिल्लिया इस्लामिया को लेकर दो वीडियो सामने आने के बाद सियासत गरमा गई है। भाजपा आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने रविवार को दावा किया कि जामिया में कथित तौर पर पुलिस की बर्बरता को लेकर जो वीडियो आया है, उसमें यह दिखता है कि पुस्तकालय में वास्तव में 'पत्थरबाज' बैठे थे। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कथित तौर पर जामिया के छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज का वीडियो साझा करते हुए कहा कि अगर इस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो सरकार की नीयत पूरी तरह से देश के सामने आ जाएगी।

अमित मालवीय ने एक ट्वीट में वीडियो टैग करके दावा किया कि पुस्तकालय में बैठे छात्रों ने नकाब पहन रखा था और बंद पड़ी किताबों को पढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि वे छात्र 'पूरी तत्परता के साथ दरवाजे की तरफ देख रहे हैं न कि पुस्तकालय में आराम से पढ़ाई कर रहे हैं।' मालवीय ने कहा कि पथराव के बाद दंगाईयों ने पुस्तकालय में खुद की पहचान छिपाने का प्रयास नहीं किया? उन्होंने कहा, 'जामिया के दंगाइयों के लिए अच्छा है कि उन्होंने खुद ही अपनी पहचान बता दी।'

▶ **अमित मालवीय ने कहा, 'दंगाइयों' ने खुद ही अपनी पहचान जाहिर कर दी**

अमित मालवीय फाइल

▶ **प्रियंका बोलीं, कार्रवाई नहीं होने पर सरकार की नीयत देश जान जाएगा**

प्रियंका गांधी वाड्रा फाइल

दूसरी ओर, प्रियंका गांधी वाड्रा ने गृह मंत्री और दिल्ली पुलिस पर यह 'झूठ' बोलने का भी आरोप लगाया कि लाइब्रेरी के भीतर जामिया के छात्रों की पिटाई नहीं की गई थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'देखिए किस तरह दिल्ली पुलिस लाइब्रेरी में छात्रों को अंधाधुंध पीट रही है। एक लड़का किताब दिखा रहा है लेकिन पुलिसवाला लाठियां चलाए जा रहा है।'

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने हर कोई जानता है कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के आदेश पर काम करती है। हम इस मामले की जांच चाहते हैं। जांच से यह साबित हो जाएगा कि इस घटना के लिए असल में कौन जिम्मेदार है।

शाहीन बाग जाएं अमित शाह : कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को शाहीन बाग जाकर प्रदर्शनकारियों से मिलना चाहिए और उनकी चिंताएं दूर करनी चाहिए।

ये दोनों वीडियो 15 दिसंबर के बताए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय का कहना है कि इस वीडियो को जामिया समन्वय समिति ने जारी किया है। इसके सदस्यों में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र और पूर्व छात्र हैं।

स्वागत की तैयारी

आगरा में एक भी शख्स नजर न आने पर बिल क्लिंटन ने की थी टिप्पणी

क्लिंटन ने आगरा को कहा था 'भुतहा शहर', ट्रंप न कह पाएंगे

राजीव शर्मा, आगरा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत में अपने स्वागत को लेकर जितने आशान्वित हैं, ताजनगरी उससे कहीं ज्यादा बेकरार है। 20 साल पहले आगरा आए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने रूट को वीरान देख 'भुतहा शहर' बताया था। ट्रंप ऐसा न कह पाएं, इसके लिए एयरपोर्ट से लेकर ताजमहल तक यादगार स्वागत की तैयारी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आगमन और उनके स्वागत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंभीर हैं। ट्रंप के आगमन को लेकर आगरा में तैयारियों पर दिल्ली से लेकर लखनऊ तक नजर रखी जा रही है। स्वागत को लेकर पीएमओ से हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग में मोदी की मौजूदगी उनकी दिलचस्पी का स्पष्ट इशारा कर चुकी है।

ध्वज लहराते 25 हजार छात्र-छात्राएं करेंगे स्वागत: 2000 में आगरा आए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को पूरे रूट पर एक भी व्यक्ति नजर नहीं आया था। सुरक्षा की दृष्टि से बरती गई इस सतर्कता पर क्लिंटन ने 'भुतहा शहर' बताया था। अब ट्रंप के आगमन पर एयरपोर्ट से ताजमहल तक के रूट पर दोनों ओर भारत-अमेरिकी ध्वज लहराते 25 हजार छात्र-छात्राओं का जोश निश्चित ही उन्हें गदगद कर देगा। रूट के प्रमुख चौराहों पर कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते नजर आएंगे।

▶ **एयरपोर्ट से ताजमहल तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का होगा यादगार स्वागत**

डोनाल्ड ट्रंप फाइल

जिंदादिल लोगों का है ये शहर

ट्रंप के स्वागत को लेकर सरकारी तंत्र तो युद्धस्तर पर जुटा है ही, रूट किनारे रहने वाले लोग भी उत्साहित हैं। कोई अपने ही हाथों से घर की दीवार तोड़ रहा है तो कोई अपना खोखा हटा रहा है। सिर्फ इसलिए कि जब डोनाल्ड ट्रंप यहां से गुजरें तो ताजमहल ही नहीं, सुलहकुल की इस नगरी की भी हसीन यादें अपने साथ ले जाएं। मंशा ये भी है कि उन्हें ये भी अहसास करा पाएं कि आगरा भुतहा नहीं, जिंदादिल लोगों का शहर है।

आगरा में पांच हजार जवान संभालेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा की कमान

जागरण संवाददाता, आगरा

डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर ताजनगरी में तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। सुंदरीकरण के कार्यों के साथ-साथ सुरक्षा का खाका भी खींचा जा रहा है। ट्रंप की सुरक्षा में पुलिस के पांच हजार से अधिक जवान तैनात रहेंगे। इसमें सौ से अधिक अधिकारी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को तैयारियों की समीक्षा के लिए आ सकते हैं। 24 फरवरी को शाम साढ़े चार से साढ़े छह बजे तक ट्रंप का आगरा आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। पांच स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा। इसके लिए स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने केंद्र और राज्य से फोर्स की डिमांड भेज दी है। वीवीआइपी रूट के साथ पूरे शहर में अलग-अलग स्थानों पर फोर्स की तैनाती की जाएगी। दौरे के दिन राष्ट्रपति के रूट के हर घर के गेट और छत पर पुलिस तैनात रहेगी। इसके लिए सौ से अधिक अधिकारी और चार हजार से अधिक पुलिसकर्मी आ रहे हैं। अमेरिकी एडवांस टीम के यहां पहुंचने के बाद सुरक्षा प्लान बनेगा। अभी पुलिस प्रशासन अपनी ओर से व्यवस्थाओं में जुट गया है। मंडलायुक्त अनिल कुमार ने रविवार सुबह पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें निर्देश दिए कि जिस अधिकारी को जो कार्य दिए गए हैं, वह समय से पूरे कर लिए जाएं।

शरजील को तिहाड़ से कल लेकर आएगी दिल्ली पुलिस

जासं, अलीगढ़ : असम को लेकर भड़काऊ भाषण देने के मामले में जेएनयू छात्र शरजील इमाम को दिल्ली पुलिस मंगलवार को तिहाड़ जेल से लाकर अलीगढ़ मुख्य दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट में पेश करेगी। यहां उसे पुलिस कस्टडी रिमांड में देने को लेकर फैसला होगा। शरजील के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज है। शरजील इमाम ने 16 जनवरी को एएमयू में चल रहे धरने में आकर कहा था कि पांच लाख लोग संगठित होकर हिंदुस्तान से असम को हमेशा के लिए अलग कर सकते हैं। स्थायी तौर पर नहीं तो एक-दो महीनों के लिए असम को हिंदुस्तान से अलग कर सकते हैं। शरजील इमाम का यह वीडियो 25 जनवरी को वायरल हुआ तो सिविल लाइन थाने में देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया था। दिल्ली व बिहार पुलिस ने आरोपित को पैतृक गांव कोका, जहानाबाद, बिहार से गिरफ्तार किया था।